

कन्हैयालाल की तरह कर्नाटक में भाजपा नेता की गला रेत कर हत्या

मंगलूर, 27 जुलाई (वार्ता)। कर्नाटक के दक्षिण कन्नड़ जिले में भारतीय जनता युवा मोर्चा के एक नेता प्रवीण नेट्टारू की मंगलवार देर रात धारदार हथियारों से प्रहार कर हत्या कर दी गयी। जानकारी के मुताबिक प्रवीण नेट्टारू ने उदयपुर के कन्हैयालाल के समर्थन में सोशल मीडिया पोस्ट की थी। इस घटना के बाद इलाके में तनाव

■ भाजपा युवा मोर्चा के नेता प्रवीण नेट्टारू ने उदयपुर के कन्हैयालाल के समर्थन में सोशल मीडिया पोस्ट की थी।

व्याप्त हो गया और प्रशासन ने कडवा, पुदूर और सुलिवा में धारा 144 के अन्तर्गत निषेधाज्ञा लागू कर दी है। इस मामले में आठ लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।

पुलिस ने इलाके में दुकानें, व्यापारिक प्रतिष्ठान, होटल आदि बंद करा दिये हैं। वारदात के बारे में जानकारी के अनुसार प्रवीण नेट्टारू ने मंगलवार की रात चिकन की दुकान बंद कर रहे थे कि इसी बीच वहां मोटर साइकिल पर कुछ अज्ञात व्यक्ति आये और उन पर हमला कर दिया।

‘भरत सिंह को चिट्ठी मंत्री बना दें ताकि मंत्रिपद ना मिलने की इनकी पीड़ा मिट सके’

लगातार सरकार को चिट्ठियां लिखने वाले भरत सिंह पर आरोप लगाते हुए पूर्व विधायक हीरालाल नागर ने चिट्ठा खोला

जयपुर, 27 जुलाई (का.प्र.)। कोटा के सांगोद से कांग्रेस विधायक और पूर्व मंत्री भरतसिंह कुन्दनपुर की ओर से बार-बार चिट्ठी लिखने की आदत के बाद उन्हें अब राजस्थान सरकार में चिट्ठी मंत्री बनाने की मांग उठी है और यह मांग उठाने वाले और कोई नहीं भाजपा के पूर्व विधायक हैं जोकि इस बार भरत सिंह के सामने चुनाव हार गए थे।

दरअसल भरत सिंह कुंदनपुर की आदत लगातार सरकार को चिट्ठियां लिखने की रही है तो इस बार भरत सिंह ने सरकार को चिट्ठी लिखने की बजाय लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला और भाजपा के पूर्व विधायक हीरालाल नागर को संबोधित करते हुए एक चिट्ठी लिख दी, तो दूसरी ओर हीरालाल नागर ने भी जनता के बीच भरत सिंह की चिट्ठी के बाद का उनका कच्चा चिट्ठा खोलकर रख दिया है। दरअसल भरत सिंह कुन्दनपुर ने अपने लैटर हेड पर फ्रि लिखते हुए संबोधित किया था कि “मित्रों, आज मैंने एक रोचक खबर पढ़ी, जो मुझसे संबंध रखती है। सांगोद के पूर्व विधायक का सुझाव आया है कि

■ पूर्व विधायक का आरोप है कि, सांगोद विधायक की छत्र-छाया में ब्लॉक अध्यक्ष अवैध शराब माफियाओं से मिलकर जनता को गड्डे में झोंकने का गलत काम करते आ रहे हैं।

सरकार को लहसुन खरीदने के लिए मैं पत्र लिखूँ सुझाव के लिए धन्यवाद। एक कहावत है हाथी के पैर में सबका पैर। लोकसभा अध्यक्ष लहसुन की खरीद पर बड़े-बड़े बोल बोल चुके हैं। इसलिए अब मेरा बोलना क्या मायने रखता है। सांगोद के इस हेरौ को मेरा यह सुझाव है कि आपके पास और सेठ बिरला जी के पास इतना धन है कि सरकार की जगह आप दोनों मिलकर हाइड्रोली का सारा लहसुन समर्थन मूल्य पर खरीदकर केबल नगर फैक्ट्री में भरकर रख लें। इसी से आपका और किसान का भला होगा।”

भरत सिंह का यह पत्र सामने आते ही पलटवार करते हुए पूर्व विधायक हीरालाल नागर ने लिखा कि “सांगोद विधायक को सरकार में मंत्री पद मिल पाने के कारण वह जब से विधायक बने हैं, तब से अपनी ही पार्टी को कांग्रेस

सरकार के खिलाफ फड़फड़ाते नजर आ रहे हैं। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को अपने मंत्रालय में एक और नया पद “क्रीएट” करते हुए सांगोद विधायक को “चिट्ठी मंत्री” के पद पर सुशोभित करना चाहिए, ताकि उनके मन की मंत्री पीड़ा को राहत मिले।

इसी के साथ नागर ने लैटर में लिखा कि “सांगोद विधायक भरतसिंह कुंदनपुर का पत्र सोशल मीडिया से पढ़ा। मेरे सुझाव पत्र के जवाब में लहसुन खरीद पर सरकार को पत्र लिखने की जगह आपने पत्र में लिखा कि “सांगोद के इस हेरौ को मेरा सुझाव है कि आपके

कर ओछी भाषाशैली से जनता के जनमत को नीचा दिखाने की कोशिश कर रहे हैं।

नागर ने कहा कि जिस तरह धृतराष्ट्र अपने पुत्र मोह में इतना अंधे थे कि उन कौरवों और दुर्योधन के अनैतिक काम और पाप कभी नजर नहीं आते थे। धृतराष्ट्र की तरह आपको भी पुत्र मोह है या नहीं, मुझे जानकारी नहीं है, लेकिन आपका जो सांगोद ब्लॉक अध्यक्ष से विचित्र प्रेम है, वो भी धृतराष्ट्र से कम नहीं है। आप भी उसके विचित्र प्रेम में इतने नन्धे हो कि उसके गलत काम आपको नजर नहीं आते हुए भी आप अंधे बनकर धृतराष्ट्र बने बैठे हो। आपकी ओर से लिखी गई कहावत- “कांख में छोरा गांव में हिंदोरा” की कहावत आप खुद पर ही सटीक साबित होती है। उन्होंने कहा कि कोटा जिले में सबसे बड़ा खनन माफिया सांगोद ब्लॉक अध्यक्ष है,

जिसकी ग्राम पंचायत मामोर में बड़ी के अवैध खनन में काम करते पिछले साल 1 मजदूर की मौत हो गई। लेकिन आपने धृतराष्ट्र रूप धारण किया हुआ है। उन्होंने लिखा कि आपकी हाइड्रोली कहावत है “बरजी भट्टा खाव, ओरा न परहेज बतावा” सांगोद

विधायक की छत्र-छाया में सांगोद ब्लॉक अध्यक्ष अवैध शराब माफियाओं से मिलकर विधानसभा की भोली भाली जनता को गड्डे में झोंकने का गलत काम पिछले कई सालों से करते आ रहे हैं। आबकारी कर्मचारियों को खोफ है कि अगर वो कोई कार्यवाही करें, तो आप उनका तबादला करवाकर पूर्व जिला आबकारी अधिकारी शम्भू दयाल मीणा की तरह कहीं डूंगरपुर-बांसवाड़ा तो नहीं करवा देंगे। सांगोद विधानसभा में रिर्कां तोड़ प्रष्टाचार फैला है, जिससे जनता अपने आपको घोर ठगा महसूस कर रही है।

सांगोद विधानसभा में आपके लगाए गए विभागों के अधिकारियों और कर्मचारियों के प्रष्टाचार के मामले सभी के सामने उजागर हैं, जो आए दिन एसीबी में टैप हो रहे हैं।

कांग्रेस की जनसुनवाई में हंगामा, धारीवाल ने नहीं मानी कांग्रेस पार्षद की बात

धारीवाल बोले-वे कुछ भी कहें, कुछ भी आरोप लगाएं। नगर पालिका ई.ओ. के तबादलों पर 15 जुलाई को ही बैन लगाया है, तबादला नहीं कर सकते

जयपुर, 27 जुलाई (का.प्र.)। राजस्थान कांग्रेस मुख्यालय में मंत्रियों की जनसुनवाई के दौरान भीलवाड़ा जिले के शाहपुरा से आए कांग्रेस पार्षदों ने जमकर हंगामा किया।

इस दौरान पार्षदों और जनसुनवाई कर रहे नगरीय विकास मंत्री के बीच में कहासुनी हो गई और पार्षद जोर जोर से चिल्लाने लगे। मामला बढ़ता देख कर जनसुनवाई में मौजूद दूसरी मंत्री शकुंतला रावत ने पार्षदों को शांत किया और उनसे अलग से बात की।

दरअसल नगर पालिका शाहपुरा, भीलवाड़ा के कांग्रेस पार्षद और अन्य कांग्रेस नेता शाहपुरा नगर पालिका के अध्यक्ष के खिलाफ प्रष्टाचार के आरोप लगाते हुए इसकी भी जांच कराने तथा ईओ को हटाने की मांग कर रहे थे। यह पार्षद जब जनसुनवाई में यूडीएच मंत्री से मिले, तो शाहपुरा के कांग्रेस नेताओं की धारीवाल ने मांग नहीं मानी और कह

■ पार्षद, शाहपुरा पालिका के कांग्रेस पार्षद ईओ का तुरंत तबादला और अध्यक्ष के खिलाफ एसीबी जांच की मांग कर रहे थे।

दिया कि ऐसे कोई ट्रांसफर नहीं होते न किसी अधिकारी को ऐसे हटाया जाता है, इस बात पर पार्षद नाराज हो गए और हंगामा करते हुए चिल्लाने लगे। इस दौरान भीलवाड़ा के स्थानीय कांग्रेस नेताओं ने मंत्री शांति धारीवाल पर भाजपा के नगरपालिका अध्यक्ष को प्रष्टाचार के मामले में बचाने और भाजपा के वरिष्ठ नेता कैलाश मेघवाल के इशारे पर काम करने के आरोप लगाए।

हंगामे के बाद शाहपुरा के कांग्रेस पार्षदों और स्थानीय नेताओं ने कहा कि

हम एक साल से यूडीएच मंत्री से शाहपुरा के नगरपालिका अध्यक्ष के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग कर रहे हैं। नगरपालिका चेरमैन प्रष्टाचार में डूबा है, लेकिन धारीवाल सुनवाई नहीं करते दे रहे हैं। मंत्री धारीवाल शाहपुरा में बीजेपी विधायक कैलाश मेघवाल के कहने से ही ईओ लगाते हैं, हमारी सुनवाई नहीं होती। हम नगरपालिका ईओ को हटाने की मांग कर रहे हैं, ईओ भाजपा विधायक की सलाह पर काम कर रहा है।

जनसुनवाई दौरान हंगामा करने पर भीलवाड़ा के कांग्रेस नेताओं और पार्षदों की वहां मौजूद सेवादायक कार्यकर्ताओं के साथ झड़प भी हुई। हंगामा बढ़ता देख यूडीएच मंत्री शांति धारीवाल के साथ जनसुनवाई कर रही उद्योग मंत्री शकुंतला रावत ने बीच बचाव कर पार्षदों को शांत करवाया और उनकी बात सुनी। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि

सरकार का ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष) प्रकाशित की थी। वहीं इस “रिसर्च” पेपर में यह भी सामने आया कि, एन.ए.बी.एच. द्वारा प्रमाणित 945 अस्पतालों में से केवल 18 ऐसे अस्पताल थे, जो किसी मैडिकल कॉलेज से जुड़े हुए थे, यानी पूरे देश में ऐसे मैडिकल कॉलेज बहुत कम हैं, जिनके अस्पताल और लैब दोनों सरकारी एजेंसियों द्वारा प्रमाणित हैं। राजस्थान में एक भी ऐसे सरकारी अस्पताल या सरकारी कॉलेज से जुड़े अस्पताल की मैडिकल लैब नहीं है, जो केन्द्र सरकार की एजेंसियों द्वारा प्रमाणित हो। एक चिकित्सक ने, नाम नहीं छापने की शर्त पर कहा, “अधिकारियों मैडिकल विद्यार्थी सरकारी मैडिकल कॉलेजों में ही पढ़ते हैं और वे इन्हीं कॉलेजों में “करप्ट प्रैक्टिस” भी सीख लेते हैं और उसके आदी भी हो जाते हैं।”

बार में...

(प्रथम पृष्ठ का शेष) की भूमिका से इनकार किया था। फिर भी कांग्रेस नेता यह जानना चाहते हैं कि, मैनु में गाय के मांस के व्यंजनों का उल्लेख कैसे है, जबकि यह उनकी पार्टी के सिद्धांतों के खिलाफ है क्योंकि भाजपा गाय की हत्या के विरुद्ध है। गोवा में गाय का मांस प्रतिबंधित नहीं है और इसे राज्य के कई रेखा में बेचा जाता है। अतः मंत्री इस बात को पकड़ कर यह कह सकती हैं, कि गाय के मांस के व्यंजन बेचना अवैध नहीं है।

महाराष्ट्र में 30 जून से नयी सरकार ने...

(प्रथम पृष्ठ का शेष) पड़ा। भाजपा अध्यक्ष जे.पी. नड्डा ने उनसे साफ कह दिया था कि, यह कोई प्रस्ताव या पेशकश नहीं है जिससे वे इनकार सह सकते हैं। सूत्रों के अनुसार, केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने फड़नवीस से कह दिया था कि, शिन्दे सरकार में शामिल न होना उनके कैरियर को सीमित कर देने वाला कदम सिद्ध हो सकता है। शाह ने उन्हें अपनी उदारता सिद्ध करने तथा शिन्दे सरकार को स्थायित्व प्रदान करने की सलाह दी। शाह ने फड़नवीस की आशाओं को जीवित रखते हुए आश्वासन दिया था कि, राजनीति में कभी भी आश्चर्यों की कमी नहीं रहती, यह सदैव आश्चर्यों से भरी रहती है।

भाजपा का केन्द्रीय नेतृत्व इस बात को लेकर चिन्तित था कि फड़नवीस युम्बई में एक प्रतिद्वन्द्वी सत्ता केन्द्र बन सकते हैं। फड़नवीस इस समय साथ तो हैं, लेकिन हिस्सेदारी एवं जिम्मेदारी अभी तक दिखाई नहीं दे रही।

परिणामस्वरूप, भारत के दूसरा सबसे बड़े औद्योगिक राज्य, महाराष्ट्र की सरकार को आज केवल दो व्यक्ति चला रहे हैं। कोई मंत्रिमंडल न होने की स्थिति में, एक विवादास्पद कार-शैंड-प्रोजेक्ट के लिये मुम्बई के आगे जंगल में पेड़ों को काटने का निर्णय ले लिया गया है। ठाकरे ने इस प्रोजेक्ट को पर्यावरण के लिहाज से अनुपयुक्त बताते हुए नकार दिया था।

यह दो सदस्यीय मंत्रिमंडल, कम से कम पाँच बार, दिल्ली के चक्कर लगा आया है, तथा शाह और नड्डा आ मुलाकात की है, मंत्रालयों को लेकर आ रहे लोचिरोध को समाप्त करवाने के लिए। लेकिन अभी तक इस दिशा में कोई सफलता नहीं मिली है।

शिन्दे सार्वजनिक निर्माण विभाग, गृह तथा वित्त जैसे “बड़े” मंत्रालयों को अपने नियंत्रण में लेने पर अड़े हुये हैं। फड़नवीस, दूसरे नम्बर के पद के साथ समायोजन बिठाते हुये, उदारता दिखाने के बावजूद, थोड़ा भारी-भरकम

महिला...

(प्रथम पृष्ठ का शेष) द्वार की सीढ़ियों पर बैठे अन्य सांसदों में मानिकराम टेंगोर (तमिलनाडू), टी.एन. प्रताप और राम्या हरिदस (दोनों केरल से) भी थे। कांग्रेस सांसदों ने, राहुल गांधी एवं राज्य सभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड्गे के नेतृत्व में, सरकार द्वारा कीमत वृद्धि और खाद्य पदार्थों पर बढ़ाई गई जी.एस.टी. की नई दरों जैसे सार्वजनिक महत्व के मुद्दे उठाते की अनुमति नहीं दिए जाने को लेकर महानगा गांधी की प्रतिमा के पास विरोध प्रदर्शन किया। संसद के आहाते से बाहर आकर उन्होंने निकट के विजय चौक पर गिरफ्तारी दी। यहां उन्हें मंगलवार को भी तब गिरफ्तार किया गया था, जब वे राहुल और खड्गे के साथ राष्ट्रपति भवन तक मार्च करने की कोशिश कर रहे थे। वे राष्ट्रपति को अवगत करवाना चाहते थे कि मोदी राज में क्या हो रहा है। एन.फोर्समैट डायरेक्टोरेट (ई.डी.) द्वारा सोनिया गांधी से तीसरे दिन भी पूछताछ की और इसके विरोध में सांसदों ने, “ई.डी. का दुरुपयोग बंद करो” के बैनर उठा रखे थे।

‘तृणमूल के 38 विधायक पार्टी छोड़ना चाहते हैं’

कोलकाता, 27 जुलाई। बीते साल विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा के जरिए बंगाल की राजनीति में एंटी करने वाले मिथुन चक्रवर्ती ने बड़ा दावा किया है। उन्होंने दावा किया है कि टीएमसी के 38 विधायक भाजपा के संपर्क में हैं।

डब्ल्यु.एच.ओ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष) की चुनौतियों को देखते हुए इसके कई केस अचिन्हित भी हो सकते हैं। हाल ही मिले केसों का जो अध्ययन किया जा रहा है, उसके अनुसार मंत्रीपाँक्स के प्रसार का कारण मानव से मानव संपर्क माना जा रहा है। मंत्रीपाँक्स से प्रसिप्त किसी व्यक्ति के साथ “इन्टिमेट कॉन्टैक्ट” से आपको अधिक खतरा हो सकता है, बजाए उस स्थिति के जिसमें आप किसी संक्रमित व्यक्ति के आसपास हों। किसी भी स्थिति में, इसके लिए उचित निरोधक (प्रिवेंटिव) उपाय करने की जरूरत है। डब्ल्यु.एच.ओ. द्वारा मंत्रीपाँक्स प्रकोप को एक वैश्विक आगत स्थिति घोषित किए जाने के कारण इसको लेकर बहुत चिंताएं और गलत जानकारियां प्रकट की जाती रही हैं। हाल ही मिले केसों के अनुसार, कोई भी व्यक्ति शारीरिक संपर्क, वीर्य, श्वसन कणों, लार, फफोलों और चर्कतों के कारण भी मंत्रीपाँक्स से संक्रमित हो सकता है।



प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना

6 वर्षों से सिर्फ फसल ही नहीं आपकी खुशियां भी रखी हैं सुरक्षित

पंजीकरण की अंतिम तिथि: 31 जुलाई 2022

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के लाभ

- दावों का भुगतान सीधे किसान के बैंक खाते में
- आधुनिक तकनीक से उपजा का बेहतर अनुमान

6 वर्षों की मुख्य उपलब्धियां

- 5.5 करोड़ से अधिक किसान हर वर्ष इस योजना से जुड़ रहे हैं।
- 1.15 लाख करोड़ रुपये से अधिक का बीमा दावा भुगतान

फसल बीमा पंजीकरण एवं अंतिम बीमा तिथि के लिए संपर्क करें

बैंक शाखा/बीमा कंपनी/कृषि ऋण समिति | जलसेवा केंद्र (CSC) | www.pmfby.gov.in | पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन

आमिष डाकघर | किसान कॉल सेंटर 1800-180-1551

कृषि रक्षक

अधिक जानकारी के लिए एंड्रॉइड क्वै

बीमा आगीदार: BAJAJ Allianz, ICICI Lombard, FUTURE GENERAL, Reliance, SBI, Universal Security

© PMFasalBimaYojana | pmfalsalbijamoyojana | PMFBY | pmfby | pmfby | www.pmfby.gov.in | Crop Insurance (Farmer's app)